निगरानी

जरहा स्कूल में फूड पॉयजनिंग का संदेह, 21 छात्र हुए थे बीमार, 8 को जिला अस्पताल किया गया था रेफर

बीमार विद्यार्थियों की लगातार हो रही निगरानी

नवभारत उमरिया 29 जनवरी। जिले के करकेली विकासखंड अंतर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय जरहा में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब विद्यालय में अध्ययनरत कई छात्र-छात्राओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई। 21 बच्चों को घुलघुली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज के लिए भेजा गया था। इनमें से 8 विद्यार्थियों की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल उमरिया रेफर किया गया था। जानकारी के अनुसार अब सभी बच्चों की हालत स्थिर है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व्हीएस चंदेल की टीम ने एहतियातन गांव में भी जांच अभियान शुरू कर दिया है। इस संबंध में एसडीएम उमरिया अंबिकेश प्रताप सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य टीम मौके पर मौजूद

है, सभी बच्चों का इलाज चल रहा है। स्थिति नियंत्रण में है और बच्चों की लगातार निगरानी की जा रही है।

ग्रामीणों ने बताया- बूंदी खाने से बिगड़ी तबीयत

कुछ ग्रामीणों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर आशंका जताई है कि बच्चों की तबीयत मिड-डे मील में परोसे गए 'सुरुचि भोज' या बूंदी खाने के बाद बिगड़ी। स्थानीय लोगों और परिजनों ने विद्यालय में भोजन व्यवस्था संभाल रही स्व-सहायता समूह पर छात्रों को घटिया व असुरक्षित भोजन देने का आरोप लगाया है। फिलहाल प्रशासन द्वारा खाद्य नमूनों की जांच और पूरे मामले की विस्तृत पड़ताल की जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही जा रही है।

ये बच्चे हुए थे बीमार

बीमार विद्यार्थियों में सुप्रिया सिंह, पूनम कोल, रोशनी कोल, पार्वती कोल, सुषमा कोल, नंदकुमार कोल, सावित्री कोल, संध्या बैगा, अभय कोल, गोविंद प्रसाद बैगा, रोहित कोल, सावन कोल, ऋषभ सिंह, शारदा कोल, शिवानी सिंह, कुसुम सिंह. सुमन कोल, रुक्मणी सिंह, लक्ष्मी सिंह, संध्या सिंह, चंद्रप्रभा सिंह, राधिका बैगा शामिल है।

जिला अस्पताल पहुंचे कलेक्टर

स्कूल के बच्चों की बिगड़ी तबीयत और जिला अस्पताल में भर्ती हुए 8 बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन जिला अस्पताल पहुंचे और उन्होंने पूरे मामले की जानकारी लेने के साथ बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के बाद गहन उपचार के निर्देश दिए। जिला अस्पताल में रूबी सिंह, मोहिनी बैगा, संध्या सिंह, लक्ष्मी सिंह, सुमन सिंह, पुष्पांजलि सिंह, राधिका बैगा, और दीपिका गुप्ता को गहन उपचार हेतु भर्ती कराया गया है।

जल और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे दादा गुरु

शहपुरा प्रवास पर किया गया स्वागत, जगह-जगह की गई पुष्पवर्षा, मां नर्मदा की महाआरती की गई

शहपुरा नवभारत 29 जनवरी। शहपुरा प्रवास पर दादा गुरु का भव्य स्वागत जगह-जगह फूलों की वर्षा कर किया गया। केवल मां नर्मदा के पवित्र जल पर वर्षों से जीवन यापन कर रहे तथा जल-संरक्षण को जीवन का संकल्प बना चुके दादा गुरु का शहपुरा अंचल में आगमन हुआ। उनके शहपुरा पहुंचते ही क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बन गया।

आधुनिक युग में जहां भोजन के बिना जीवन की कल्पना असंभव मानी जाती है, वहीं दादा गुरु ने अन्न का पूर्ण त्याग कर केवल मां नर्मदा के जल को अपना आधार बनाया है। उनका कहना है कि मां नर्मदा का जल न केवल शरीर को शुद्ध करता है, बल्कि आत्मा को भी दिव्य ऊर्जा प्रदान करता है। दादा गुरु पदयात्रा के माध्यम से जन-जन को नर्मदा की अविरलता, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

नर्मदा परिक्रमा के 92वें दिन दादा गुरु की टोली पहुंची

नर्मदा परिक्रमा के 92वें दिन दादा गुरु की टोली शहपुरा पहुंची, जहां कल्याण केंद्र में रात्रि विश्राम किया गया। इस अवसर पर भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधु-संत एवं नर्मदा भक्त शामिल हुए। शुक्रवार को यह काफिला कल्याण केंद्र से आगे की यात्रा पर प्रस्थान करेगा।

विवाह के तुरंत बाद पति-पत्नी निकले नर्मदा परिक्रमा करने

इस पदयात्रा में हरदा जिले के 32 वर्षीय सिविल इंजीनियर विद्युत शर्मा एवं उनकी पत्नी आध्या भी शामिल हैं। दोनों ने विवाह के तुरंत बाद नर्मदा परिक्रमा का संकल्प लिया। उनका मानना है कि जीवन की नई शुरुआत मां नर्मदा के आशीर्वाद और दादा गुरु के मार्गदर्शन से ही सार्थक हो सकती है।

पदयात्रा में लगभग दो हजार श्रद्धालु व साधु-संत शामिल

श्रद्धालुओं के अनुसार यह यात्रा पिछले 90 दिनों से अधिक समय से निरंतर मां नर्मदा की गोद में चल रही है। पदयात्रा में लगभग दो हजार श्रद्धालु, साधु-संत और नर्मदा प्रेमी शामिल हैं। यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है। शहपुरा क्षेत्र के नागरिकों के लिए दादा गुरु का यह प्रवास एक दुर्लभ अवसर है, जहां उन्हें एक सिद्ध साधक के सान्निध्य में अध्यात्म, संयम और पर्यावरण संरक्षण का जीवंत संदेश प्राप्त हो रहा है।

खदान को बंद करने की साजिश का आरोप

एसईसीएल जोहिला महाप्रबंधक कार्यालय के सामने क्रमिक अनशन जारी

नौरोजाबाद नवभारत 29 जनवरी। जिले के नौरोजाबाद एसईसीएल जोहिला महाप्रबंधक कार्यालय के सामने 27 जनवरी से क्रमिक अनशन शुरू कर दिया है। इस आंदोलन में इंटक, बीएमएस, एचएमएस, एटक और सीटू शामिल हैं।

इंटक के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं संचालन समिति सदस्य उदय प्रताप सिंह ने बताया कि यूनियनों की कुल 72 मांगें हैं, जिनमें एमडीओ और शेयरिंग पद्धति को समाप्त करना प्रमुख है। उन्होंने आरोप लगाया कि मात्र आधा एकड़ भूमि अधिग्रहण नहीं होने का बहाना बनाकर 30 से 35 वर्षों तक संचालित हो सकने वाली उमरिया खदान को बंद करने की साजिश रची जा रही है।

उत्पादन व परिवहन बंद करने की दी चेतावनी-हड़ताल पर बैठे श्रमिकों ने जानकारी देते हुए कहा कि चौथ दिन भूख हड़ताल यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो एक फरवरी के बाद पूरे जोहिला क्षेत्र में कोयला उत्पादन और परिवहन पूरी तरह ठप कर दिया जाएगा।

गुरुवार को हाट बाजार के दिन लगता है लंबा जाम

पंचायत और जिला प्रशासन बना मूकदर्शक

चिल्हारी नवभारत 29 जनवरी। जिले के मानपुर तहसील अंतर्गत ग्राम चिल्हारी में प्रत्येक गुरुवार को हाट बाजार लगता है। यहां चिल्हारी सहित आसपास के कई गांवों के लोग बड़ी संख्या में अपनी रोजमर्रा की चीजों का क्रय-विक्रय करने पहुंचते हैं। बाजार बस स्टैंड में लगने से मानपुर एवं कटनी मुख्य सड़क मार्ग होने से भारी संख्या पर वाहनों का आवागमन बना रहता है, जिससे कई घंटे जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है।

ग्रामीणों द्वारा इसकी जानकारी स्थानीय ग्राम पंचायत, तहसील कार्यालय और जिला प्रशासन को

भी दी गई, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं। अगले सप्ताह ग्राम के वरिष्ठ पत्रकार रमाकांत तिवारी बाजार करके अपने घर जा रहे थे तभी भारी भरकम ट्रक की की चपेट में आ गए थे, जिससे उनके हाथ व पैर में गंभीर चोटें आई थीं। ग्रामीणों ने मांग की कि कलेक्टर इस विषय को संज्ञान में लेते हुए उचित व्यवस्था बनाने कोई ठोस कदम उठाए ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा हो सके।

अनुभव से सीख एवं मेहनत से मिलती है पहचान : साहू

शासकीय हाईस्कूल चंदवाही में कैरियर मेले का आयोजन

शहपुरा नवभारत 29 जनवरी। शासकीय हाईस्कूल चंदवाही में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम के तहत कैरियर मेले का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर विकल्पों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ पत्रकार भीमशंकर साहू मुख्य मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने पत्रकारिता को कैरियर के रूप में अपनाने के इच्छुक विद्यार्थियों को प्रेरक एवं व्यवहारिक मार्गदर्शन दिया। भीमशंकर साहू ने विद्यार्थियों को बताया कि 12वीं के बाद

पत्रकारिता की पढ़ाई कैसे की जाती है, प्रवेश प्रक्रिया क्या होती है और किन पाठ्यक्रमों का चयन किया जा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश लेने की प्रक्रिया को अपने अनुभव के साथ साझा किया।

ईमानदार पत्रकारिता से मिलता हैं सम्मान

उन्होंने अपने कैरियर सफर का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने विभिन्न समाचार संस्थानों में कार्य किया और निष्पक्ष एवं ईमानदार पत्रकारिता के माध्यम से सम्मान और पहचान अर्जित की।

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है पत्रकारिता

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि यह समाज और शासन के बीच सेतु का कार्य करती है। साथ ही उन्होंने छात्र जीवन में अनुशासन, लगन, सत्यनिष्ठा और निरंतर अध्ययन को सफलता की कुंजी बताया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य खेमलाल साहू सहित समस्त शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को विद्यार्थियों ने अत्यंत प्रेरणादायक बताया, वहीं विद्यालय प्रबंधन ने भविष्य में ऐसे और आयोजन करने की बात कही।

बेलखाडू-पनागर मार्ग पर ये लापरवाही भारी ना पड़ जाए

पेड़ों से सटे हाईटेंशन तार, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

नवभारत,जबलपुर । बेलखाडू से पनागर को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आई है। इस मार्ग पर जगह-जगह बिजली के तार बड़े-बड़े पेड़ों की डालियों और घनी झाड़ियों को छू रहे हैं, जिससे किसी भी समय जनधन और पशुधन की भारी क्षति की आशंका बनी हुई है।

यह पूरा क्षेत्र कृषि बाहुल्य है, जहां दिनभर किसान, पशु चरवाहे और ग्रामीणों की आवाजाही रहती है। खेतों में सिंचाई के दौरान, सड़क किनारे चरती गाय, बकरी, भैंस और उनके साथ रहने वाले चरवाहे हर समय खतरे की जद में हैं।

नियमों की खुलेआम अनदेखी

बिजली सुरक्षा मानकों के अनुसार हाईटेंशन और लो-टेंशन लाइनों के आसपास नियमित पेड़ों की कटाई,छंटाई अनिवार्य है लाइन निरीक्षण समय-समय पर किया जाना चाहिए सड़क और आबादी वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा उपाय जरूरी हैं लेकिन बेलखाडू-पनागर मार्ग पर ये सभी नियम कागजों तक सीमित नजर आ रहे हैं।

न कटाई, न निरीक्षण

स्थानीय लोगों का आरोप है कि वर्षों से पेड़ों की कोई नियमित कटाई नहीं की गई ,न ही बिजली विभाग द्वारा कोई निरीक्षण किया जाता है बरसात या तेज हवा में तारों के टूटने और करंट फैलने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है, ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी एसी कमरों में बैठकर केवल कागजी कार्रवाई कर रहे हैं और किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है।

लोगों में आक्रोश व्याप्त

ग्रामीणों और किसानों में इस लापरवाही को लेकर गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि अगर समय रहते सुधार नहीं हुआ और कोई दुर्घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग और प्रशासन की होगी।

स्थानीय लोगों की यह है मांग

तुरंत पूरे मार्ग का निरीक्षण कराया जाए ,बिजली लाइनों से सटे पेड़ों की कटाई कराई जाए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो ,अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा, या समय रहते इस गंभीर खतरे को टालने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे ।

अवैध उत्खनन के विरोध में उमरिया ढिरहा के ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे

नवभारत, जबलपुर। जनपद पंचायत मझौली अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिया ढिरहा में शासकीय भूमि पर हो रहे अवैध उत्खनन के खिलाफ ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने बताया कि पटवारी हल्का नंबर 42 में स्थित शासकीय खसरा नंबर 79/1 (लगभग 20 हेक्टेयर) भूमि पर बिना किसी वैध अनुमति के जेसीबी और पोकलेन मशीनों से मुरम का उत्खनन किया जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, उत्खनन स्थल के समीप 20 से 30 आवासीय मकान स्थित हैं। लगातार खुदाई से मकानों को नुकसान पहुंचने की आशंका के साथ-साथ बिजली लाइन और खंभों के गिरने का खतरा भी बना हुआ है, जिससे ग्रामीणों की जान-माल पर संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने अवैध उत्खनन पर तत्काल रोक, स्थल निरीक्षण और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी भी दी गई है।

कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का चीफ जस्टिस ने शुभारंभ

जबलपुर। मध्य प्रदेश स्टेट ज्यूडिशियल एकेडमी ने सिविल जज, जूनियर डिवीज़न (एंट्री लेवल) परीक्षा की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों और वकीलों (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य) के लिए खास 'कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम' शुरू किया है। इस प्रोग्राम का उद्घाटन हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर हाईकोर्ट के प्रशासनिक जज जस्टिस विवेक रूसिया, जस्टिस विवेक अग्रवाल उपस्थित थे। हाई कोर्ट के जज, राज्य के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट और सेशन जज, बार के रिप्रेजेंटेटिव और प्रोग्राम के 1078 रजिस्टर्ड पार्टिसिपेंट वर्चुअली उद्घाटन में शामिल हुए।